

61st वीं वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2017-2018

परिवर्तनकारी नवीनीकरण द्वारा उत्कृष्टता



Performance Excellence through Disruptive Innovation

निगम के वर्तमान सदस्य CURRENT MEMBERS OF THE CORPORATION



श्री वी. के शर्मा, अध्यक्ष
Shri V.K. Sharma, Chairman



श्री सुभाष चन्द्र गर्ग
Shri Subhash Chandra Garg



श्री गिरीश चन्द्र मुर्मू
Shri Girish Chandra Murmu



श्री अश्वनी कुमार
Shri Ashwani Kumar



श्रीमती एलिस जी वैद्यन
Smt. Alice G. Vaidyan



श्रीमती ऊषा सांगवान
Smt. Usha Sangwan



श्री हेमंत भार्गव
Shri Hemant Bhargava



श्री बी. वेणुगोपाल
Shri B. Venugopal



श्रीमती सुनीता शर्मा
Smt. Sunita Sharma



श्री बिमलेंदु चक्रवर्ती
Shri Bimalendu Chakrabarti



श्री आर. एन. चतुर्वेदी
Shri R.N. Chaturvedi



श्री आर. चंद्रशेखरन
Shri R. Chandrasekaran



नागरिक घोषणा-पत्र

हमारा कल्पना दर्शन

अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतिस्पर्धी, विशाल वित्तीय समूह, जो विभिन्न समाजों के लिए महत्वपूर्ण हो एवं भारत का गौरव हो।

हमारा लक्ष्य

आकांक्षा के अनुरूप उत्पाद एवं सेवाओं के माध्यम से समुचित लाभ के साथ वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सभी के जीवन स्तर को निरापद रखना एवं उन्नत करना तथा आर्थिक विकास के लिए संसाधन सुनिश्चित करना।

हमारे मूल्य

अभिरक्षण व शिष्टाचार
अभिक्रम व नवीनता
सत्यनिष्ठा व पारदर्शिता
गुणवत्ता व लाभ
सहभागिता व संबंध
विश्वसनीयता व भरोसा

हमारी संस्कृति

दक्षता
अनुकूलता
सहयोग
प्रतिबद्धता
अनुशासन
अधिकृत करना
संवेदनशीलता
उत्कृष्टता

CITIZENS' CHARTER

OUR VISION

To transform ourselves into a transnationally competitive financial conglomerate of significance to societies and the Pride of India.

OUR MISSION

To ensure and enhance the quality of life of people through financial security by providing products and services of aspired attributes with competitive returns and by rendering resources for economic development.

OUR VALUES

Caring and courtesy
Initiatives and Innovation
Integrity and Transparency
Quality and Returns
Participation and Relationship
Trustworthiness and Reliability

OUR CULTURE

Agility
Adaptability
Collaboration
Commitment
Discipline
Empowerment
Sensitivity
Excellence

विषय सूची

	पृष्ठ
(1) आमुख	7
(2) निगम एवं समितियों के सदस्य, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, मुख्य बीमांकक एवं क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं पॉलिसी धारक परिषद के सदस्य	7
(3) आर्थिक परिवेश और जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक परिवेश का प्रभाव	7
(4) कार्य परिणाम :	10
I) नव व्यवसाय : व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, नॉन लिंक हेल्थ, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रथम बीमा, ग्रामीण बीमा,	
II) विभिन्न क्षेत्रों में चालू व्यवसाय : व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, नॉन लिंक हेल्थ, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय	
(5) पूंजी मोचन तथा निश्चित वार्षिकी व्यवसाय	12
(6) पॉलिसियों के सांविधिक विवरण	12
(7) संगठनजन्य ढांचा	13
(8) जीवन निधि, अधिशेष तथा प्रदत्त कर	13
(9) सामाजिक क्षेत्र : समूह बीमा योजनाएं एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक क्षेत्र में निवेश एवं स्वर्णजयंति फाऊंडेशन	13
(10) विपणन गतिविधियां : विभिन्न चैनलों द्वारा किया गया नव व्यवसाय, उत्पाद विकास, बैंकेश्योरेन्स एवं वैकल्पिक चैनल्स, सूक्ष्म बीमा, स्वास्थ्य बीमा और प्रत्यक्ष विपणन	14
(11) अभिकर्ता : अभिकर्ताओं की संख्या, अभिकर्ता क्लब सदस्यता, वृत्तिक अभिकर्ताओं की योजना, मुख्य जीवन बीमा सलाहकार एवं प्राधिकृत अभिकर्ता	17
(12) विदेश प्रचालन : विदेशी शाखाएं, विदेशी संयुक्त उपकंपनियां एवं प्रतिनिधि कार्यालय,	18
(13) ग्राहक संबंध प्रबन्धन : दावों का निबटारा, वैकल्पिक जरियों से प्रीमियम भुगतान, ग्राहकों की शिकायत का निबटारा,	20
(14) निगमित संप्रेषण	23
(15) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005	24
(16) कर्मिक/कर्मचारी संबंध कर्मचारियों की संख्या, कर्मचारी संबंध, कर्मचारियों को आवासीय ऋण, महिलाओं का सशक्तिकरण, आरक्षण : राष्ट्रीय नीति कार्यान्वयन, अनुसूचित जाति/जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण, शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए आरक्षण, भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के लिए आरक्षण, खेलकूद : इन-हाउस खेलकूद, अंतर-निगम खेलकूद, बाहरी	25
(17) मानव संसाधन विकास : संगठन विकास/प्रशिक्षण	28
(18) प्रबंध विकास केन्द्र	30
(19) राजभाषा कार्यान्वयन	30
(20) अभियांत्रिकी कार्यकलाप	31
(21) संपदा/सामरिक व्यवसाय इकाई - संपदा	31
(22) सूचना प्रौद्योगिकी	31
(23) आंतरिक अंकेक्षण	33
(24) निरीक्षण	33
(25) नव व्यवसाय एवं पुनर्बीमा	33
(26) सतर्कता	34

(27)	नामित निदेशक	34
(28)	जोखिम प्रबन्धन	34
(29)	कार्पोरेट अभिशासन	34
(30)	बोर्ड की बैठकें	35
(31)	केन्द्रीय प्रबंधन समिति	35
(32)	क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड	35
(33)	पॉलिसी धारक परिषद	35
(34)	जीवन बीमा निगम अधिनियम के अंतर्गत निर्देश	35
(35)	लेखा परीक्षक	35
(36)	वित्तीय वर्ष 2018-2019 के लिए योजना	35
(37)	विविध गतिविधियां: एल.आई.सी.हाऊसिंग फाईनान्स लिमिटेड, एल.आई.सी.म्यूच्युअल फण्ड एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि., एल.आई.सी.पेंशन फण्ड लिमिटेड, एलआईसी कार्ड सर्विसेस लिमिटेड	35
(38)	आभार प्रदर्शन	38
•	परिणामों का सारांश	39
•	सारणी	43
•	परिशिष्ट I निगम, कार्यकारी समिति, निवेश समिति, भवन सलाहकार समिति, अंकेक्षण समिति, उपभोक्ता कारोबार समिति, क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं बीमाधारी परिषद के सदस्यगण	56
•	परिशिष्ट II सांविधिक (केन्द्रीय) लेखा परीक्षक	70
•	लेखा : लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट ¹	128
•	जीवन व्यवसाय :	132
•	वित्तीय विवरण (खण्डीय)	
➤	तुलन-पत्र : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित	132
➤	भारत राजस्व लेखा : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित (सहभागी एवं गैरसहभागी)	134
➤	लाभ-हानि खाता : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित	140
➤	अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 15 तक)	142
➤	वित्तीय विवरणों का सारांश	222
➤	अनुपात	224
➤	प्राप्ति एवं भुगतान लेखा (नकद प्रवाह विवरण)	230
•	पूँजी मोचन (निर्धारित सहित) बीमा व्यवसाय :	
➤	तुलन पत्र	232
➤	राजस्व लेखा	234
➤	लाभ हानि लेखा	236
➤	अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 4,6,8 और 11 से 14 तक)	238
➤	प्रबंधन रिपोर्ट	249

INDEX

	Page
1. PREAMBLE	71
2. MEMBERS OF THE CORPORATION, VARIOUS COMMITTEES, SENIOR EXECUTIVES AND APPOINTED ACTUARY, MEMBERS OF ZONAL ADVISORY BOARD AND POLICYHOLDER'S COUNCIL	71
3. ECONOMIC SCENARIO AND IMPACT OF MACRO ECONOMIC ENVIRONMENT ON LIFE INSURANCE BUSINESS	71
4. WORKING RESULTS	73
I. New Business - Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Non Linked Health, Unit Linked Business, Group Insurance Business, Social Security Schemes, First Insurance, Rural Thrust	
II. Business in Force in Various Segments — Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Non Linked Health, Unit Linked Business, Group Insurance Business	
5. CAPITAL REDEMPTION AND ANNUITY CERTAIN BUSINESS	75
6. STATUTORY STATEMENTS REGARDING POLICIES	75
7. ORGANISATIONAL SET UP	75
8. LIFE FUND, SURPLUS AND TAXES PAID	75
9. SOCIAL SECTOR	76
Group Schemes and Social Security, Investment in social sector and Golden Jubilee Foundation	
10. MARKETING ACTIVITIES	77
New Business procured during 2017-18 Channel wise, Bancassurance & Alternate Channels, Direct Marketing, Health Insurance, Micro Insurance, Product Development, and SBA.	
11. AGENTS	79
Agency Strength, Agent's Club Membership, Career Agents Scheme, Chief Life Insurance Advisor Scheme and Authorised Agents.	
12. OVERSEAS OPERATIONS – Foreign Branches, Foreign Joint Venture Companies and Foreign Wholly Owned Subsidiary	80
13. CUSTOMER RELATIONSHIP MANAGEMENT	81
Settlement of Claims, Alternate Channels of Premium Payments, Offline Payment Channels, Online Payment Channels and Customer's Grievances Redressal	
14. CORPORATE COMMUNICATION	84
15. RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005	84
16. PERSONNEL & EMPLOYEE RELATIONS	86
Staff Strength, Employee Relations, Empowerment of Women, Reservation and National Policy Implementation - Housing Loan to Agents, Office Services and Sports	
17. HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT / ORGANISATIONAL DEVELOPMENT INITIATIVES / TRAINING ACTIVITIES	88
18. MANAGEMENT DEVELOPMENT CENTRE	84
19. OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION	84
20. ENGINEERING ACTIVITIES	90
21. STRATEGIC BUSINESS UNIT - ESTATES	90
22. INFORMATION TECHNOLOGY	90
23. INTERNAL AUDIT	92
24. INSPECTION	92

25. NEW BUSINESS AND REINSURANCE	92
26. VIGILANCE	92
27. NOMINEE DIRECTORS	93
28. RISK MANAGEMENT	93
29. CORPORATE GOVERNANCE	93
30. BOARD MEETINGS	93
31. CENTRAL MANAGEMENT COMMITTEE	93
32. ZONAL ADVISORY BOARD (ZAB)	93
33. POLICYHOLDERS' COUNCIL (PHC)	93
34. DIRECTION UNDER LIC ACT	93
35. AUDITORS	93
36. BUSINESS PLANS FOR 2018-19	94
37. DIVERSIFIED ACTIVITIES	94
LIC Housing Finance Ltd., LIC Nomura Mutual Fund Asset Management Company Ltd., LIC Pension Fund Ltd. and LIC Cards Services Ltd.	
38. ACKNOWLEDGEMENT	96
• SUMMARISED RESULTS	97
• TABLES	101
• APPENDIX - I	114
Members of the Corporation and various Committees, Senior Executives and Appointed Actuary, Members of Zonal Advisory Boards and Policyholders' Council.	
• APPENDIX - II	126
Statutory (Central) Auditors	
• ACCOUNTS: Auditor's Report	128
• LIFE BUSINESS	132
• Financial Statement (Segmental)	
➤ Balance Sheet: Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India.	132
➤ Revenue Account: Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India (Participating and Non Participating)	134
➤ Profit and Loss Account: Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India	140
➤ Schedules forming a part of the Financial Statements (Schedule 1 to 15)	142
➤ Summary of Financial Statements	222
➤ Ratios	224
➤ Receipt and Payment Account (Cash Flow Statement)	230
• CAPITAL REDEMPTION (INCLUDING ANNUITY CERTAIN) INSURANCE BUSINESS	
➤ Balance Sheet	232
➤ Revenue Account	234
➤ Profit & Loss Account	236
➤ Schedules forming part of the Financial Statements (Schedules 1 to 4, 6, 8 & 11 to 13)	238
➤ Management Report	249

(1) आमुख :

भारतीय जीवन बीमा निगम को 31.03.2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 की धारा 27 के अन्तर्गत अपनी 61वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में हर्ष हो रहा है।

(2) निगम एवं समितियों के सदस्य:

निगम के सदस्यों तथा वर्ष के दौरान इसकी विभिन्न समितियों के सदस्यों के नाम, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, नियुक्त बीमांकक, क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं पॉलिसीधारक परिषद के नाम परिशिष्ट I में हैं। (पृष्ठ संख्या 56 स 69 तक)

(3) आर्थिक परिवेश और जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक कारक का प्रभाव

इस वर्ष समष्टि आर्थिक विकासों में उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। पहली छमाही में भारत की अर्थव्यवस्था अस्थायी रूप से 'अयुग्मित' मंदी वाली रही है जबकि विश्व की अर्थव्यवस्था में तीव्रता आई - फिर भी सुदृढ़ समष्टि मूलभूत सिद्धांतों के साथ यह प्रमुख देशों के बीच दूसरी सर्वोत्तम निष्पादक अर्थव्यवस्था बनी रही। इसका कारण अनेक कार्रवाइयों और विकासों में निहित है जिन्होंने अर्थव्यवस्था को धक्का पहुंचाया: विमुद्रीकरण, जीएसटी में आरंभिक कठिनाईयाँ, उच्च और बढ़ते वास्तविक ब्याज दर और कुछ खाद्य पदार्थों की कीमतों में तीव्र गिरावट जिन्होंने कृषि आय को प्रभावित किया। आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 के अनुसार जीएसटी आरंभ किये जाने के अलावा, इस वर्ष में बैंकों की गैर-निष्पादनशील परिसंपत्तियों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के प्रति उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कदम, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का और अधिक उदारीकरण आदि भी देखे गए जिससे सुधारों की गति सुदृढ़ हुई।

वर्ष की दूसरी छमाही में, अर्थव्यवस्था में पुनरुज्जीवन के मजबूत संकेत देखे गये। आर्थिक वृद्धि में सुधार हुआ जैसे-जैसे आघात मंद पडने आरंभ हुए सुधारात्मक कार्रवाइयों की गई और समकालिक वैश्विक आर्थिक प्रतिप्राप्ति ने निर्यातों को बढ़ावा दिया।

(क) सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)

वर्ष 2018 और 2019 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर के क्रमशः 7.3% और 7.5% होने का अनुमान है। अनंतिम अनुमानों के अनुसार अर्थव्यवस्था में पिछले वित्तीय वर्ष में 7.1% की तुलना में 2017-18 में 6.7% तक वृद्धि हुई। जिन क्षेत्रों में 7.0% से अधिक की वृद्धि दर दर्ज की गई है, वे हैं - "लोक प्रशासन, प्रतिरक्षा और अन्य सेवाएं" (10.0%), "व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण संबंधी सेवाएं" (8.0%), "बिजली, गैस, जल आपूर्ति और अन्य जन उपयोगी सेवाएं" (7.2%)। "कृषि, वन विद्या एवं मत्स्य-पालन", "खनन एवं खदान", "विनिर्माण", "निर्माण" और "वित्तीय, रियल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाओं" में वृद्धि के क्रमशः 3.4%, 2.9%, 5.7%, 5.7% और 6.6% होने का अनुमान है।

आईआईपी के संशोधित आंकड़ों द्वारा यथा प्रदर्शित औद्योगिक वृद्धि वित्तीय वर्ष 2017-18 में 4.3% दर्शायी गई है, जो वित्तीय वर्ष 2016-17 में 4.6% थी। वित्तीय वर्ष 2017-18 में इस वृद्धि का समर्थन सभी खंडों में व्यापक आधार पर वृद्धि द्वारा किया गया है। विनिर्माण क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2013-14 से उच्चतम वृद्धि दर्शायी गयी है। उपयोग आधारित वर्गीकरण के अंदर पूंजीगत सामान अवसंरचना/ निर्माण सामान और उपभोक्ता अस्थायी सामान ने इस वर्ष के दौरान समग्र वृद्धि में सहायता की।

व्यय के संदर्भ में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में सकल स्थिर पूंजीगत संरचना (जीएफसीएफ) वित्तीय वर्ष 2015-16 से पिछले तीन वर्षों में 28.5% पर स्थित है। वर्ष 2012-13 में यह 33.4% था जो घट गया है। सरकारी व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 में जीडीपी के 10.9% से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2017-18 में 11.4% हो गया। निजी अंतिम खपत व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 में 59% से सीमांतक रूप से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2017-18 में जीडीपी का 59.1% हो गया।

(ख) सकल घरेलू बचत (जीडीएस)

बाज़ार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सकल घरेलू बचतों के ब्योरे नीचे दिये गये हैं:

सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में क्षेत्र-वार घरेलू बचतें:

वर्ष	घरेलू क्षेत्र			निजी निगमित क्षेत्र	सार्वजनिक क्षेत्र	सकल घरेलू बचतें
	वित्तीय बचतें	भौतिक बचतें	जोड़			
2016-17#	6.75%	9.51%	16.26%	12.11%	2.36%	29.98%
2015-16*	8.21%	9.58%	17.79%	12.23%	2.33%	31.25%

द्वितीय संशोधित अनुमान

* प्रथम संशोधित अनुमान

(ग) राजकोषीय स्थिति

सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में राजकोषीय घाटा नीचे सारणी में प्रस्तुत किया गया है:

वर्ष	केंद्र और राज्य (संयुक्त)	केवल केंद्र
2018-19 बीई	6.0	3.3
2017-18 पीए	6.5	3.5
2016-17	6.5	3.5
2015-16	7.5	3.9
2014-15	6.6	4.1

बीई - बजट अनुमान; पीए - अनंतिम वास्तविक

वर्ष 2017-18 के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार सकल कर राजस्व ₹19,19,182 करोड़ था, जिसमें वर्ष 2016-17 की तुलना में 11.9% की वृद्धि दर्ज की गयी। वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिये प्रत्यक्ष कर संग्रहण दर्शाते हैं कि निवल संग्रहण ₹ 9.95 लाख करोड़ है, जो वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान किये गये निवल संग्रहणों से 17.1% अधिक है।

(घ) मौद्रिक स्थितियां

भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक नीति पर सावधानीपूर्वक रुख अपनाया और मुख्यतः तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों 7वें वेतन आयोग के कार्यान्वयन और केंद्र तथा राज्य सरकार के स्तर पर वित्तीय गिरावटों पर सरोकार के कारण अपनी तटस्थ वित्तीय नीति का रुख जारी रखा। इस वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी अगस्त 2017 की नीति में रेपो दर 25 बीपीएस से घटाकर 6% कर दिया और बाकी वित्तीय वर्ष में रेपो दर इसी स्तर पर रहा। नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) 4.0% पर बना रहा, जबकि इस वर्ष के दौरान सांविधिक परिशोधन अनुपात (एसएलआर) 20.0% से घटाकर 19.5% कर दिया गया।

(ङ) मुद्रास्फीति

देश में मुद्रास्फीति के परिदृश्य में वार्षिक स्तर पर गिरावट आई। वर्ष 2017-18 के दौरान खुदरा मुद्रास्फीति 5 वर्ष में निम्न स्तर तक गिरी। यह वित्तीय वर्ष 2016-17 में 95 बीपीएस से 4.53% से 3.58% तक गिर गयी। अनुकूल बरसात के कारण खाद्य मुद्रास्फीति में हुई सुगमता ने मुद्रास्फीति में सहायता करना जारी रखा। तथापि हाल के महीनों में वैश्विक बाजारों में तेल की कीमतों में वृद्धि और 7वें वेतन आयोग के मकान किराया भत्ते के संशोधन के सांख्यिकीय प्रभाव के पश्चात आवास मुद्रास्फीति के साथ यह रुझान प्रत्यावर्तित हो गया। इसके विपरीत थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति मुख्यतः इंधन और विद्युत के उच्च मूल्य के कारण पिछले वर्ष में 1.7% की तुलना में 2.9% होकर चार वर्ष के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

(च) इक्विटी एवं ऋण बाजार

अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के दौरान सीबीएलओ का मासिक भारित औसत 5.90% के स्तर पर था।

28 मार्च, 2018 को एसएनडपी बीएसई सेंसेक्स 32,969 पर बंद हुआ, जो 31 मार्च, 2017 को यथास्थिति 29,621 के बंद होने वाले आंकड़े से 11.30% ऊपर था। इस वर्ष के दौरान यह 29,241 से 36,444 की रेंज में था। दिनांक 28 मार्च, 2018 को निफ्टी-50 10,114 पर बंद हुआ, जो 31 मार्च, 2017 को यथास्थिति 9,174 के बंद होने वाले आंकड़े से 10.25% ऊपर है। वर्ष के दौरान यह 9,104 से 11,130 की रेंज में था।

मार्च, 2018 के अंत में एसएनडपी, बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 का पीई अनुपात (कीमत अर्जन अनुपात) एक वर्ष पहले की तुलना में 20.62 और 23.26 की जगह पर क्रमशः 23.78 और 24.66 था।

गैर-सरकारी सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा किए गए नये पूंजी निर्गमनों की संख्या 53 से बढ़कर 81 हो गई। जुटाई गयी धनराशियां भी, पिछले वित्तीय वर्ष में ₹36,615 करोड़ की तुलना में बढ़कर ₹ 98,984 करोड़ हो गयी। जनवरी-मार्च की तिमाही के लिये प्रबंधन के अधीन औसत परिसंपत्तियां पिछले वित्तीय वर्ष की तदनुसंगी अवधि में ₹18,29,584 की तुलना में ₹ 23,05,012 करोड़ थीं।

भारतीय रिजर्व बैंक की मुद्रा नीति समिति, एक स्थायी आधार पर 4% की शीर्ष मुद्रास्फीति के लिए मध्यम अवधि लक्ष्य प्राप्त करने के लिये प्रतिबद्ध है। अन्य जोखिमों के साथ, कच्चे तेल की कीमतों में हाल में उतार-चढ़ाव रहे हैं और यह मुद्रास्फीति दृष्टिकोण को ऊपर की तरफ और नीचे की तरफ दोनों में पर्याप्त अनिश्चितता प्रदान करता है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिये केंद्र सरकार द्वारा ₹ 6.27 लाख करोड़ के ऋण लेने की घोषणा की गयी है।